राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 25.00 संख्या 520
रक्षक नागराज

हजारों पापियों पर भारी पड़ती है एक सच्ची आत्मा! और मानवता के हजारों भक्षकों पर भारी पड़ता है एक अकेला...

कथाः जॉली सिन्हा | चित्रः अनुपम सिन्हा | इंकिंगः विनोदकुमार | सुलेख एवं रंगः सुनील पाण्डेय | सम्पादकः मनीष गुप्ता

तूने बच्चों पर जुल्म ढाकर अपनी मौत को बुला लिया है नगीना! क्योंकि बच्चे नागराज की जान हैं, और नागराज की जान लेने की कोशिश करना अपनी मौत को बुलाना है!
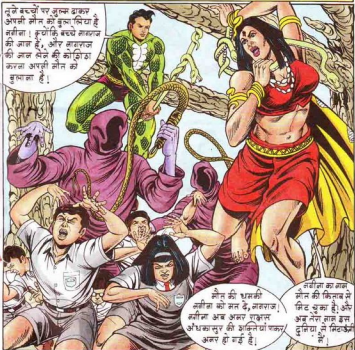
मौत की धमकी नगीना को मत दे, नागराज! नगीना अब अमर राक्षस अंधकासुर की शक्तियां पाकर अमर हो गई है!

नगीना का नाम मौत की किताब से मिट चुका है! और अब तेरा नाम इस दुनिया से मिटाऊंगी मैं!

Amaan
amaancoddu.de
आदमकाल से हर इंसान की चाह रही है-
कोई इसके लिए यंत्र का सहारा लेता है, कोई मंत्र का और कोई तंत्र का-
ऊं ह्रीं बटुकाय आप दद्धारजाप करूं करूं बटुकाय ह्रीं ऊं स्वाहा!
पर आहुति के जवाब में शैतानी मूर्ति की आंखें शोले उगलने लगीं-
आSSSह!
चाहे कितने भी कष्ट दे ले अंधकासुर, परन्तु मिहिरसेन तेरी साधना पूरी करके ही उठेगा! अब या तो मेरी जान जाएगी या फिर तू प्रसन्न होकर मुझे दानवी शक्तियां प्रदान करेगा! जय अंधकासुर!
मिहिरसेन ने आर या पार की साधना करने की ठान ली थी-
कटार द्वारा

मिहिरसेन को इस बात का आभास नहीं था कि अब वह उस सुनसान हवेली में अकेला नहीं था-
वह नागिन बड़े गौर से इस प्रक्रिया को देख रही थी-
रक्त की धार बहकर जमीन पर रखी उस खोपड़ी से टकराई-
आओ अंधकासुर! आओ, अपनी समस्त शक्तियों सहित मेरे शरीर में समा जाओ!
और शैतान की आंखें चमक उठीं-
पूरी मूर्ति में प्रचंड ऊर्जा दौड़ने लगी-
एक विस्फोट के साथ मूर्ति के चिथड़े उड़ गए-
और ऊर्जा की तरंगें उसमें से निकलकर मिहिरसेन के शरीर में समाने लगीं-

आऽऽऽ ह! अब मेरे शरीर में अमरराक्षस अंधकासुर की सारी शक्तियां समा गईं हैं! अमर हो गया हूं मैं! अमर हो गया हूं! हा हा हा! अब मुझे कोई नहीं मार सकता! कोई नहीं! हा हा!
फुस्स!
वाह! वाह! अभी मैं सोच ही रहा था कि अपनी शक्तियां किस पर आजमाऊं! परंतु ये नागिन तो खुद ही चलकर मेरे पास आ गई! अब मैं सबसे पहले अपनी शक्तियां इसी पर आजमाऊंगा! हा हा हा!
मिहिरसेन के हाथ में वह जादुई कटार चमक उठी-
हा हा हा! अब ये कटार नागिन को काटेगी! टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे इसके!
अरे! ये कटार को क्या हुआ है! तितली की तरह इधर-उधर चक्कर काटे जा रही है! अरे नागिन को काट! नागिन को!
तभी कटार हवा में घूमकर-
मिहिरसेन के पेट में ही आ धंसी-

अगर आज मैं अमर नहीं होता तो मेरी ही कटार मेरी जान ले लेती! तू मामूली नागिन नहीं हो सकती!
कौन है तू? बता! मैं पूछता हूं कौन है तू?
क...कौन है तू?
हा हा हा!
देख कि कौन हूं मैं!
तू तो इच्छाधारी नागिन है!
नागिन नहीं, नाग सम्राज्ञी नगीना बोल मिहिरसेन और डर से थर-थर कांप!
डर से थर-थर कांपे और मिहिरसेन! होश की दवा कर नगीना! या तो यहां आने का कारण बता या यहां से दुम समेटकर भाग जा!
खामोश! नादान है तू, और जलजला हूं मैं! खाक में मिला दूंगी तेरी हस्ती को! मैं तेरी वो शक्तियां लेने आई हूं जो तूने अभी-अभी प्राप्त की हैं! और उसके लिए मुझे तेरी जान लेनी ही होगी!
बस! बहुत बोल चुकी तू अभी पता चल जाएगा कौन किसकी मौत है!

हा हा हा। तेरा वार तो मैं झेल गई मिहिरसेन! अब बारी मेरी है!
हा हा हा! मैं अमर हो चुका हूं नगीना! अमर मिहिरसेन! तू मुझे कभी नहीं मार सकती! कभी नहीं!
तू सिर्फ तब तक अमर है जब तक अंधकासुर की शक्तियां तेरे अंदर मौजूद हैं! एक बार ये शक्तियां तेरे जिस्म से निकल गईं तो तू एक मामूली इंसान बनकर रह जाएगा।
अगर तुझे इन शक्तियों की इतनी ही जरूरत थी तो तूने खुद अंधकासुर की साधना क्यों नहीं कर ली?
अंधकासुर सिर्फ इंसानी खून से प्रसन्न होता है मिहिरसेन, और मैं नागिन हूं! मैं बहुत दिनों से इस पल का इंतजार कर रही थी कि तू अंधकासुर से शक्तियां प्राप्त करे, और मैं तुझसे!
तलवार कैंची ने मिहिरसेन के सिर और धड़ को अलग कर दिया, और नगीना ने लपक कर उस कटे सिर को थाम लिया—
खचच्चच
और मिहिरसेन के धड़ से शक्तियों का सागर निकल-कर नगीना के शरीर में समाने लगा—
साथ ही साथ मिहिरसेन का धड़ भी शांत होता चला गया—

हा हा हा! नगीना जो चाहती है वो पाती है! अब इन शक्तियों की मदद से मुझे उस जगह की तलाश करनी है जहाँ तामसी शक्तियों का द्वार है, और फिर नगीना चाहेगी तो समुद्र को रेगिस्तान में बदल डालेगी! संसार की हर चीज मेरे वश में होगी! मेरे इशारों पर सारी दुनिया नाचेगी! और फिर चारों तरफ मेरा राज होगा! मेरा राज! हा हा हा!
पाप का घड़ा धीरे-धीरे भरता जा रहा था–
पर उसको फोड़ने वाला भी ज्यादा दूर नहीं था–
भारती कम्युनिकेशंस की इमारत में–
निशा, राज को मेरे केबिन में भेजो!
ओ. के. मैडम भारती!
राज तेरा तो अब बस खुदा ही मालिक है!
राजsss
MR. RAJ P.R.O.
ओह निशा! कोई खास काम था मुझसे?
मुझे नहीं! मैडम भारती को तुमसे खास काम है!
भ... भारती! निशा ये भारती चैनेल की स्टमबम मालकिन भारती को मुझ गरीब पी. आर. ओ. से क्या काम हो सकता है?
पता नहीं! बस फटाफट जाकर मिल लो!

इसी वक्त- भारती कम्युनिकेशंस के एक स्टूडियो में-
एक्शन!
अरे भाई ये सांप तो बहुत सुस्त है! ऐसे इसका शॉट कैसे लेंगे! इसका फन तो फैलाओ!
वैसे ये बहुत तेज है साहब! माहौल देखकर डर गया है! मैं अभी इसका फन फैलाता हूं!
DIRECTOR
लेकिन वह सांप भड़क रहा था-
हिस्स
मौका पाते ही सांप स्टूडियो से बाहर निकल भागा-
STUDIO III
सांप ने पूरे ऑफिस में तहलका मचा दिया था-
बचाओ!
कोई भी जगह सुरक्षित नहीं बची थी-
सांप!
जिसका जहां सींग समाया, वहीं पर भागा जा रहा था-
क्या हुआ भई! आज मैडम ज्यादा गुस्से में हैं क्या?
मैडम! कौन मैडम? कैसी मैडम, तुम जाओ मैडम को! भागो!
कहां भागें? क्यों भागें?
बिल्डिंग में सांप घुस आया है! दस फुटा... नहीं... नहीं... बीस फुटा! अरे सांप भागो!

Amaan
अरे सुनो! सांप से डरते हो क्या?
तुम नहीं डरते क्या? अरे भागो!
मैं नहीं डरता! अगर मैं राज नहीं होता...
...तो नागराज होता!
तो भैया बन जाओ नागराज! वो देखो सांप आ गया!
अरे बाप रे! भागो!
मैडम! बचा लो मैडम!
वो... वो बाहर...
BHARTI
ये क्या बदतमीजी है राज?
क्या है बाहर?
एक सांप! सांप है बाहर!
टेबल से नीचे उतरो राज!
मैडम ये रिपोर्ट...
ओऽऽऽऽ
सांप निशा को काट सकता है! इसको शांत करना होगा!
राज की आंखें चमक उठीं-
और सांप शांत होता चला गया-

ये सांप एकदम से अच्छा सांप कैसे बन गया?
ऐसे खतरनाक जीवों को तो स्टूडियो में लाना ही नहीं चाहिए!
नहीं-नहीं! ऐसे खतरों से तो हमें डटकर मुकाबला करना चाहिए!
नहीं-नहीं! तुम्हारी तरह टेबल पर चढ़कर!
शटअप! आप सब अपने-अपने टेबल पर जाइए, और मिस्टर राज आप मेरे साथ आइए!
मुझे आपसे कुछ बातें करनी हैं!
नाचीज तो मैं हूं राज! भारती कम्युनिकेशंस के असली मालिक तो तुम हो! इज्जत तो तुमने बख्शी है, मुझे इसका मालिक बनाकर!
ओफ्फो! फिर वही बात! तुम जानती हो कि बिजनेस मेरे बस की बात नहीं है! खैर अभी काफी वक्त है! आओ प्रोग्राम देखते हैं!
ये सब क्या चक्कर है राज? तुम सांपों को देखकर टेबल पर कब से चढ़ने लगे?
करना पड़ता है भारती! अगर नागराज सांपों के साथ रहता है तो राज का सांपों से डरना बहुत जरूरी है वरना मेरा भेद, भेद नहीं रहेगा! खैर आज सवेरे-सवेरे मुझे क्यों बुला लिया?
फिलहाल सब तरफ शांति थी-
कुछ नए प्रोग्राम आए थे! उन पर तुम्हारी राय लेनी थी!
कमाल है! बड़ी इज्जत बख्शी जा रही है इस नाचीज को!
लेकिन ये शांति तूफान आने के पहले की सी शांति थी-
मुझे तामसी शक्तियों का आभास हो रहा है! मैं सही जगह आ गई हूं! हाहाहा!

नगीना के हाथ हवा में उठे और जमीन की मिट्टी तेजी से ऊपर उड़कर एक गड्ढा बनाने लगी-
और नगीना उस गड्ढे में प्रवेश कर गई-
ये रास्ता काफी संकरा है!
मुझे नागिन रूप में आगे बढ़ना होगा!
जल्दी ही-
आहा! मैं सही जगह पर पहुंच गई हूं! अब नागरूप में रहने की आवश्यकता नहीं है!
इस स्थान को जाग्रत करना होगा! फूssss
नगीना की फूंक के साथ ही-
जमीन पर बनी वह खोपड़ी दहक उठी-
एक आसन हवा में से प्रकट हो गया-

हा हा हा! मिल गई! मिल गई मुझे ऐसी जगह जहां से दूसरी दुनिया का द्वार खुलता है! जहां पर तामसी शक्तियां वास करती हैं! लेकिन उसका द्वार खोलने के लिए मुझे खास चीज की जरूरत है! और वो खास चीज है सौ बच्चे!

मुझे सौ बच्चे चाहिए! मुझे यह देखना है कि पास में ऐसी कौन सी जगह है जहां से सौ बच्चे मिल सकते हैं!

तंत्र से बना वह यंत्र नगीना को सबसे पास का वह स्थान दिखाने लगा-

जहां से नगीना को बच्चे मिल सकते थे-

मुझे उसी शहर से बच्चे उठाने हैं जहां पर नागराज रहता है! अरे शैतान तुझे भी अपना द्वार खोलने के लिए यही जगह मिली थी! बच्चे तो मुझे उठाने ही हैं! लेकिन बच्चे उठाने के लिए मुझे अपनी तांत्रिक क्रियाओं का इस्तेमाल करना होगा!

नगीना की तंत्र किरणें दीवार पर दो आकृतियां उभारने लगीं-

और कुछ ही पलों बाद-

आओ मेरी तंत्र मिट्टी से बने नाग मानवों सरसरी और फुस्कार! अब तुम्हारी नसों में मेरा विष दौड़ने लगेगा! जिन्दा हो उठोगे तुम दोनों! जिन्दा!

नाग सम्राज्ञी की जय हो! आपने हमें जीवनदान दिया है! आपकी जय हो!
आदेश कीजिए! आपने हमें जीवनदान क्यों दिया है?
मुझे बच्चे चाहिए! सौ बच्चे!
इतना आसान काम स्वामिनी! हम सौ नहीं दो सौ लाएंगे उनमें से अपने मतलब के छांट लेना!
कई बच्चों के एक साथ मिलने की सबसे पहली जगह है स्कूल-
आज से करोड़ों साल पहले इस धरती पर मानव नहीं, विशालकाय सरीसृप रहते थे! जिनको हम डायनासोर भी कहते हैं! दरअसल सरीसृप प्राणियों का एक वर्ग होता है जिसमें छिपकली और सांप जैसे भी जीव आते हैं!
मैडम! बोर्ड पर सांप और छिपकली का चित्र बनाइए न!
हां हां, बनाइए न!
तुम लोग सांप को देखना चाहते हो सपोलो!

लो देख लो!
बच्चे तो बच्चे, टीचर तक उनके भयंकर रूप को देखकर सहम गई थी-
आईईईई
डरते क्यों हो! आराम से चलना हमारे साथ! फुस्कार और सरसरी तुम्हें घुमाने ले जाएंगे।
चलोगे न संपोलो!
भागोगे कहाँ? सरसरी जब सरसराती है तो कोई भी उससे बचकर नहीं भाग पाता। मैं तो चीते को भी पकड़कर खा जाती हूं!
हम मदद का इंतजार नहीं कर सकते! अब हमको ही कुछ करना पड़ेगा रीमा!
तुम ठीक कह रहे हो यश! इन फुस्कार से तुम निपटो, सरसरी को तो मैं सरसरा देती हूं!
पर जरा संभलकर! दोनों बहुत खतरनाक हैं!

वह और राम अपने साथियों को बचाने के लिए अपनी जानें दांव पर लगा रहे थे-
फुस्कार मुझे नहीं पकड़ेगा! आजा मुझे पकड़ ले!
बहुत जल्दी है तुझे पकड़े जाने की! पहले तुझे ही पकड़ता हूं!
आओ सरसरी! मुझे नहीं पकड़ोगी?
याssss!
दो आंखें यह सारा दृश्य देख रही थीं-
वह सांप यह देख रहा था-
कि अपनी सारी कोशिशों के बावजूद बच्चे अपने आप को बचा नहीं पा रहे थे-
छोड़ दो मुझे!
तेरी तरह मैं सबको उल्टा लटका दूंगा!
स्कूल की सिक्योरिटी भी खबर पाते ही वहां आ पहुंची थी-
लेकिन फुस्कार के वारों के सामने वे बेबस थे-

बच्चे बुरी तरह से डर गए थे-
हमें माफ कर दो! हमें जाने दो!
मेरी मां बहुत बीमार है! मुझे जाने दो!
मैं नागराज को बुलाता हूं! वही हमको बचाएगा!
नागराज! आ जाओ, नागराज!
नागराज?
इस पुकार के साथ ही यह दृश्य देख रहा सर्प अपना फन सतह पर पटकने लगा था-
हर टक्कर के साथ मानसिक संकेत हवा में तैर रहे थे-
और संकेतों की मंजिल यह थी-
अरे!
क्या हुआ राज?
भारती मैंने अपने जासूस सर्पों को शहर भर में फैला रखा है! उनमें से एक स्कूल के पास तैनात जासूस सर्प खतरे के संकेत भेज रहा है!
मुझे जाना होगा! अभी!
जाओ, नागराज! जब बच्चों पर मुसीबत आई है तो उनका रक्षक भला कैसे रुक सकता है!
जाओ!
सर्प रस्सी हवा में तैरी-

और उसके साथ-साथ नागराज भी हवा में लहरा उठा-
सरसरी और फुस्कार की मौत का परवाना रवाना हो चुका था-
बाकी बच्चों को तो मैंने छोड़ दिया है, सरसरी! सिर्फ इस लंगड़े को छोड़ दिया है!
ये लंगड़े तंत्र क्रिया में काम नहीं आते!
मुझे लंगड़ा बोला!
ये ले!
तूने मुझे मारा! ले अब तू टांग के साथ-साथ अपनी बाकी हड्डियां भी तुड़वा ले!

लंगड़े बच्चे का असहाय शरीर तेजी से नीचे हवा में गिरा-
लेकिन दो हरे बाजुओं ने उसको हवा में ही थाम लिया-

आ गया था-
नागराज! इन्होंने मुझे लंगड़ा कहा! मुझे नीचे फेंका! इन्हें छोड़ना नहीं!
आ गया हमारा नागराज! अब तेरे सिर पर गिरेगी गाज!
नहीं बेटा! नागराज अत्याचारियों को छोड़ता नहीं, तोड़ता है!
कौन है रे तू! तुझे हमारी शक्लें देखकर डर नहीं लगा जो मरने के लिए तनकर खड़ा है!
अब तक तो तुम्हारी शक्लें जैसी हैं! अच्छी हैं! बहुत अच्छी, लेकिन जब मैं तुम्हारी पिटाई करूंगा तो तुम दोनों एक-दूसरे को भी नहीं पहचान पाओगे!
अरे! इसके हाथों से तो सांप निकलते हैं!
कौन हो तुमलोग? और बच्चों का अपहरण करने के पीछे तुम्हारा क्या मकसद है? बोलो!
अभी बताता हूं!
पर तुझे बेदम करने के बाद!

लेकिन फिलहाल बेदम होने की बारी फुस्कार और सरसरी की थी-
धड़ाऽऽक
नागराज के वार उन पर बारिश की बूंदों की तरह बरस रहे थे-
नगीना को इस असफलता का आभास था-
फुस्कार इसे बहुत आसान काम समझ रहा था! दो सौ बच्चे लाऊंगा उसमें से छांट लेना! उस नागराज के होते दो सौ बच्चे क्या, दो बच्चे भी ले आए तो बहुत है!
मुझे इनको और शक्ति देनी होगी! मैंने इनमें तंत्र किरणों से सौ हाथियों की ताकत भर दी है!
शक्ति मिलते ही फुस्कार नागराज पर टूट पड़ा-
हाऽऽऽह! अब तू नहीं बचेगा नागराज!

सपने देखना छोड़ दो दुष्ट सर्पो!
दोनों के शरीर हवा में उड़कर-
जमीन पर आ गिरे-
पीछे- पीछे नागराज भी आ पहुंचा-
और पिटाई का सिलसिला एक बार फिर शुरू हो गया-
बता, फुस्कार! जब तक तू बोलेगा नहीं ऐसे ही मार खाता रहेगा!
वाह, नागराज! और पीटो इनको! और पीटो!
नागराज के वार और प्रचंड होते जा रहे थे-

न गीना इस लड़ाई का अंत पहले ही भांप गई थी-
ओह! मैंने इनको सौ हाथियों की शक्ति दे दी है, लेकिन फिर भी नागराज इनको मच्छरों की तरह पीट रहा है!
नागराज इनको सफल नहीं होने देगा। मुझे कोई चाल चलनी होगी कोई कुटिल चाल!
नागराज के वार और तेज होते जा रहे थे-
बता अपने आका का नाम! वर्ना तेरी आंखें दूसरी दुनिया में ही खुलेंगी!
आऽऽऽह! बस! अब हम और मार नहीं खा सकते!
मार नहीं खा सकते तो जुबान खोल दो!
नागराज की मार दोनों ही सर्प सह नहीं सके-
अरे! ये दोनों एकदम शांत कैसे हो गए?
बेहोश हो गए होंगे! तुमने इनके सिर जोर से टकराए थे ना!

Amaan
बेहोश नहीं हुए मर गए! लेकिन मैंने इन दोनों के सिर इतनी जोर से तो नहीं टकराए थे!
कमाल है नागराज, तुम हर जगह हमसे पहले ही पहुंच जाते हो। क्या यही हैं वे दोनों नागमानव जो बच्चों को उठाने आए थे? लेकिन इनको हुआ क्या?
मर गए दोनों!
मर गए! ओह, समझ गया यानी तुमने इन दोनों पर जरूरत से ज्यादा जोर आजमाइश कर दी होगी!
नहीं! मैं तो खुद इन दोनों को पूछताछ के लिए जिन्दा रखना चाहता था! खैर, अब तुम यहां आ गए हो तो मेरा यहां रुकने का कोई काम नहीं, तुम संभाल लोगे!
अब संभालने के लिए रह ही क्या गया है नागराज! बच्चों को उनके घर भेज देता हूं! स्कूल बंद करा देता हूं! और रहे ये दोनों!
ये दोनों तो अब किसी काबिल नहीं रहे सो इन दोनों को मुर्दाघर भिजवा देता हूं! कुल मिलाकर काम खत्म!
हा हा हा! चाल कामयाब रही! नागराज चला गया! अब फिर से जिन्दा हो जाओ मेरे नागमानवो! हा हा हा!
नहीं विष्णु! मेरा तो काम अभी शुरू हुआ है!
मुझे इस मामले की तह तक पहुंचना है!

ये दोनों तो ज़िन्दा हैं! नागराज को धोखा हो गया!
इंस्पेक्टर ने पूरी छः की छः गोलियां फुस्कार पर झोंक दीं–
अरे! इस पर तो कोई असर होता नहीं दिख रहा!
धांय धांय धांय
असर होगा कैसे?
तेरी सारी गोलियां तो मैंने लपक ली हैं!
चूरन की गोलियों से ज्यादा स्वादिष्ट हैं ये गोलियां! और हैं?
नहीं हैं तो अपनी जान दे!
मैं उसे खाऊंगा!

चल सरसरी! काम कर अपना! बच्चों को घेर!
हा हा हा! मेरा काम हो गया! हो गया!
आओ तंत्र गोलों!
और उन सबको यहां पर लेकर आओ!
तंत्रगोलों ने हवा में से प्रकट होकर सबको अपने घेरे में लेना शुरू कर दिया-
और देखते ही देखते फुफ्कार और सरसरी के साथ बच्चे भी गायब हो गए-
यह दृश्य देख रहा, नागराज का वह जासूस सर्प चौंक उठा-
और नागराज को खतरे का संकेत भेजने लगा-
नागराज एक शांत स्थान पर गहरी चिन्ता में डूबा हुआ था-
समझ में नहीं आता कि वे दोनों नागमानव मर कैसे गए?
अब ये कैसे पता चलेगा कि उनको किसने भेजा...
...अरे!

स्कूल में तैनात मेरा जासूस सर्प संदेश भेज रहा है!
संदेश पाकर-
नागराज चौंक उठा-
ओफ़! यह उन दोनों की चाल थी! मरने का नाटक कर रहे थे!... काश! मैं वहां पर थोड़ी देर और रुक जाता! क्यों नहीं रुका मैं? न जाने वे बच्चे इस वक्त कहां होंगे? मैं लगाऊंगा उनका पता।
जाओ मेरे सर्पो! मेरे जासूस सर्पों के साथ शहर के कोने-कोने में फैल जाओ!
पता लगाओ कि वे बच्चे आखिर हैं कहां हैं? कौन ले गया है उन्हें?
ओफ़! बच्चों ने मुझे इतने भरोसे से पुकारा था, और मैं उन्हें बचा नहीं पाया!
न, नागराज, न! पत्थर पर गुस्सा मत निकाल मुन्ना! न!
अरे, पर प्रॉब्लम है क्या?
नागू! अभी मैं परेशान हूं! अभी दिलीप कुमार स्टाइल में मुझे तंग न कर! चुपचाप मेरे शरीर के अंदर चला जा!

यह तो मैं पता नहीं लगा सकती नागराज! पर मैं इतना जरूर बता सकती हूं कि यह सब किसी तांत्रिक का काम है, क्योंकि मैंने उस घटना-स्थल पर कुछ तंत्र तरंगों को महसूस किया था।

तांत्रिक! हां, तांत्रिकों को अक्सर तंत्र क्रियाओं के लिए बच्चों की जरूरत पड़ती है! पर कहीं मेरे उस तांत्रिक तक पहुंचने से पहले वह बच्चों को कोई नुकसान न पहुंचा दे!

फिलहाल हम कर भी क्या सकते हैं नागराज?
हां! अब किसी खबर का इंतजार करने के अलावा और कोई चारा नहीं है! ऐसी खबर जो मुझे यह बता सके कि बच्चे कहां पर हैं!
बच्चे, नगीना के पास थे-
हाय! सारे बदन की हड्डियां खिसक गई हैं! किस पहाड़ से भिड़वा दिया हमको?
वह पहाड़ हमारा दोस्त नागराज है!
वो हमको बचाने जरूर आएगा! जरूर आएगा!
छोटे मुंह बड़ी बात नहीं करते! नागराज तो यहां तब पहुंचेगा जब उसको तुम प्यारे बच्चों का पता लग पाएगा! और कम से कम इस जन्म में तो उसे यह पता नहीं लग सकता!
चुप! हिस्ससस!

लेकिन तुम लोग सिर्फ कुछ ही बच्चे ला पाए हो! मुझे तो सौ बच्चे चाहिए! पूरे सौ!
अब हम कहीं भी जाएं पर महानगर नहीं जाएंगे! कहीं और से बच्चे लाने हैं तो बताओ!
अभी कम से कम बदन में जान तो बाकी है! वह भी निकलवा दोगी क्या?
अब तुम लोग अलग-अलग हो जाओ! छिप-छिपकर एक-एक बच्चा पकड़कर लाओ! और कहीं कई बच्चे एक साथ मिल गए तो मैं उन्हें उठा लाऊंगी!
अब जाओ! जाओ! वर्ना मैं नागराज से पहले तुम्हारी जान निकाल दूंगी!
फुस्कार और सरसरी, नगीना की आज्ञा का पालन करने में जुट गए-
बॉल उठाकर ला, संजू!
संजू बॉल उठाने के लिए झाड़ियों में घुसा तो जरूर-
पर बाहर नहीं आ सका-
संजू! कहां है तू?
यहां तो कहीं नहीं है!
चल इसकी मम्मी को बताते हैं!
अलग-अलग स्थानों पर से बच्चे तेजी से गायब हो रहे थे-
पम्मी! कहां है तू?
पम्मी!
महानगर में दहशत फैल रही थी-
अभी-अभी प्राप्त समाचारों के अनुसार अलग-अलग घटनाओं में महानगर से पांच और बच्चे गायब हो गए हैं! महानगर के एक स्कूल से 18 स्कूली बच्चे पहले ही गायब हो चुके हैं!
शहर में अफरा-तफरी मची है! लोगों ने बच्चों का घर से बाहर निकलना बंद कर दिया है!

मैं यहां पर बैठा-बैठा अपने जासूस सर्पों के संकेतों का इंतजार कर रहा हूं और वहां बच्चे गायब होते जा रहे हैं!
उस तांत्रिक ने अब बच्चों को एक-एक करके उठाना शुरू कर दिया है, ताकि वह तुम्हारी नजरों से बच सके नागराज, क्योंकि तुम भी एक ही समय में कई जगह पर एक साथ नहीं हो सकते।
तो ऐसे मौके को वह तांत्रिक लपककर पकड़ लेगा!
हुम! पर इससे एक बात तो साफ है और वह ये कि उस तांत्रिक को अभी और बच्चों की जरूरत है! और पूरे महानगर में बच्चों का घर से बाहर निकलना बंद हो गया है!
ऐसे समय में अगर उस तांत्रिक को कई बच्चे एक साथ और एक ही जगह पर मिल जाएं तो...
पूरे शहर में चर्चा का विषय एक ही था-
अब तो हद हो गई, भाई! बच्चे घर से बाहर भी नहीं झांक सकते!
सारे स्कूल बंद करा दिए गए हैं! बच्चों की पढ़ाई का कितना नुकसान होगा!
आखिर नागराज कर क्या रहा है? वह बच्चों के लिए कुछ करता क्यों नहीं?
अरे हट भई!
वरूंऊंऊंऊंऊंऊंSSSSSSS
ये... ये तो किसी स्कूल की बस है! जरूर कहीं पिकनिक पर जा रही है! और इसमें बच्चे भी भरे हुए हैं!
ऐ ड्राइवर! तुरन्त बस को अपने स्कूल ले जाओ, तुम्हारे स्कूल वाले न्यूज नहीं सुनते हैं क्या? बच्चे गायब हो रहे हैं!

आपणा काम ते ड्यूटी बजाना है बादशाओ! बच्चे बोर हो रहे थे! स्कूल वालों ने सोचा होगा कि थोड़ा चेंज हो जाएगा! खैर, फिकर न करीं!
नागसिंह दे होते बच्चयां नू कोई हत्थ तक नई लगा सकदा!
हुणे लो, मैडमजी!
ओ मैं निकला, ओ गड्डी ले के!
अरे, कोई पुलिस को फोन करो! वर्ना ये बच्चे तो गए समझो!
सरदारजी, बस चलाओ! फिजूल बातें मत करो!
और थोड़ी देर बाद-
ओ ए की? ब्रेक लाना पैगा!
उस आदमी का ख्याल एकदम सही था-
ही ही हिस्सस! किस्मत मेरे साथ है जो इतने सारे बच्चे एक साथ मिल गए! वर्ना और बच्चे तो मिल ही नहीं रहे थे! सभी बच्चे डर के मारे घरों में घुसे हुए थे!
ये क्या कर रहे हो सरदार जी! ऐसे ब्रेक क्यों लगा दिए? किसी को चोट लग जाती तो?
चीं ई ई
पर नागराज का कोई भरोसा नहीं है! कहीं वह बच्चों को ढूंढता-ढूंढता यहां तक आ ही गया तो कुछ ऐसा इंतजाम करना पड़ेगा कि मेरी तंत्र साधना पूरी होने तक उसे कहीं बंद कर दिया जाए! इसके लिए मैं भी... महानगर पुलिस की मदद लूंगी!
मैं की करां मैडम जी! ओ सामने वेखो!

कहानी 35 पेज से जारी

की होया बिब्बी?
वो देखो! वो दो भयानक सांप मेरे बच्चे को उठा ले जा रहे हैं! उनको पकड़ लो!
हां, हां! तुणे पकड़ना मैं उन्ना हूं!
सरदारजी! बचा लो!मेरे बच्चे को बचालो। मेरा एक ही बच्चा है! बचा लो उसे!
पर बीबी, तेरा बच्चा है कित्थे?
मैडम! आप भी जाओ! वे दो सर्प हैं! मैं बुरी तरह से घायल हूं! मैं चल भी नहीं पा रही हूं! जाओ मैडमजी... बचा लो मेरे लाल को!
रो मत! मैं जाती हूं!
काम बन गया! ही ही ही!
हा हा हा ही ही!
क... कौन हो तुम?
नगीना! हा हा हा ही ही हिस्स!
ड्राइवर और टीचर को मैंने जिन सर्पों और बच्चे के पीछे भेजा है वे सिर्फ एक परछाई हैं। यह तो मेरी चाल थी उन दोनों को तुम बच्चों से दूर भेजने की। और अब तुम लोग हमेशा के लिए उनसे दूर होने वाले हो!

नागसिंह और मैडम सर्पों को पकड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे थे-
हफ़! हफ़! ये की, मैडम?
ये दोनों तो हौर दूर होंदे जा रहे हैं?
दूर भी होते जा रहे हैं और गायब भी होते जा रहे हैं!
ऐ की कोई मैजिक सी मैडम जी?
बस के बच्चे!
हो रब्बा! बच्चे! ऐ मैं की किता!
आओ मैडमजी!
लेकिन अब तक तो बहुत देर हो चुकी थी-
बच्चे गायब हो गए हैं नागसिंह!
हाय ओ रब्बा! ऐ की हो गया?
यानी मैडम जी...
अपना प्लान कामयाब रहा!
यस, नागराज!
और वह औरत जरूर वही तांत्रिक होगी जो बच्चों को उठाकर ले जा रही है!
अब तुम मेरे शरीर में प्रवेश कर जाओ सौडांगी...
...क्योंकि मैं उस तांत्रिका का पीछा करने जा रहा हूं!

लेकिन नागराज ज्यादा दूर तक नहीं जा पाया-
धांय
अरे! ये सर्परस्सी किसने तोड़ी?
किसने चलाई गोली?
मैंने नागराज!
एस.सी.पी अर्जुन!
तुम यहां?
हां, नागराज! मैं! भागने की कोशिश मत करना!
नाऊ यू आर अंडर अरेस्ट!
मुझे पता नहीं कि तुम ऐसा क्यों कर रहे हो अर्जुन! पर फिलहाल मुझको मत रोको! मुझको उन बच्चों का पता चल गया है जो स्कूल से गायब हुए थे! इस वक्त मैं उनको बचाने जा रहा हूं!
अर्जुन नहीं, एस.सी.पी अर्जुन बोल नागराज और वह भी तमीज से!
और पुलिस का काम खुद करने की कोशिश मत करो! चलो थाने!
अर्जुन आगे बढ़ा-
लेकिन तभी-
ये क्या किया सौडांगी! पुलिस वाले कभी-कभी गलती कर जाते हैं, परअ पर हाथ उठाना...
ये पुलिस वाले नहीं हैं नागराज!
ये तंत्र मानव हैं! मैं इनके शरीर से आती तंत्र तरंगों को साफ महसूस कर रही हूं!

फायर!
गोलियां नागराज पर असर नहीं करती!
मेरे शरीर में रहने वाले सूक्ष्म सर्प मेरे किसी भी घाव को तुरंत भर देते हैं!
तब तो तुमसे लड़ने में मजा आएगा, नागराज!
तूने हमको यह बताकर बहुत अच्छा किया कि तुझे बच्चों का पता चल गया है!
अब वहां पहुंचना तो दूर, तू यहां से ही जिन्दा बचकर नहीं जाएगा।
हां, मैं हूं कमुंड!
मैं खमुंड!
और मैं गमुंड!
तीनों मिलाकर बोलो तो बनता है त्रिमुंड!
क्योंकि त्रिमुंड के शिकंजे से आज तक कोई जिन्दा नहीं बचा है!
त्रिमुंड!
हा हा हा! छूट के दिखा! छूट के दिखा तो तुझे जानूं!
आऽऽऽह!

तड़पते नागराज की कलाइयों से बेशुमार सर्प निकलकर मुट्ठियों का रूप धारण करने लगे–
और त्रिमुंडों के शरीर हवा में उड़ गए–
...वह तू पहली और आखिरी बार देखेगा! क्योंकि ये है मौत का खेल!
ओह! ऐसे खेल तो मैंने बचपन में मेलों में देखे हैं! लेकिन जो खेल मैं तुझे दिखाने जा रहा हूं...
अब बता! इस बार कितने सांप निकालेगा?
एक!
सिर्फ एक?
एक सांप भला मेरा क्या...
...आऽऽऽह!
ये एक अद्भुत जल सर्प है खमुंडा!
जल झटका!
ये अपने शरीर से हजारों वोल्ट की बिजली पैदा कर सकता है!

Amaan
एक मुंड काटकर अपने आपको विजेता मत समझ नागराज! अभी दो मुंड बचे हुए हैं!
तो फिर उनको भी काट देता हूं कमुंड और गमुंड!
नागबम! विद्युत सर्प जलझटका! बड़े अजीब-अजीब सर्प हैं तेरे पास! पर अब मैं किसी भी सांप को अपने पास फटकने नहीं दूंगा!
कोशिश कर ले! देखते हैं कि मेरे सांप ज्यादा तेज है या तेरी गति!
आरीदार नागफनी सर्प ने तीसरे मुंड की भी गर्दन उड़ा डाली-
ओह! इनके अंदर से तो विषैली वायु निकल रही है! यानी विष ने इनके अंदर प्राण भरे हुए थे! आखिर ऐसा कौन तांत्रिक है जो मिट्टी के पुतलों में विषैले प्राण फूंकता है!
वैसे इन तीनों ने मेरा काफी समय बर्बाद कर दिया है! न जाने बच्चे किस हालत में होंगे!

बच्चों पर बहुत बुरी बीत रही थी–
सौ बच्चे! मिल गए सौ बच्चे! मजा आ गया! अब मैं खोलूंगी उस दुनिया का द्वार जहां से शैतान राज आकर नगीना को इस दुनिया पर राज करने की शक्ति देगा!
शैतानराज की दानवी शक्तियां बच्चों को यातनाएं देने से प्रसन्न होंगी! इनकी दर्द-भरी चीखों से खुलेगा दूसरी दुनिया का द्वार! इनको डराओ! सताओ! रुलाओ! चाबुक बरसाओ इन पर!
ही ही ही! मुझे चाबुक मत मारो! ही ही ही! मुझे... ही ही गुदगुदी हो रही है! नगीना आंटी, इनसे बोलो कि मुझे छोड़ दें! ही ही ही!
इससे तो मैं खुद निपटूंगी! ऐसा बच्चा तो मैंने कभी देखा ही नहीं, जो मार पड़ने पर हंसता हो!
इसको मैं रुलाऊंगी! खून के आंसू!

बता सपोले! उल्टा लटककर तुझे डर लग रहा है या नहीं!
अरे! ये खोपड़ी कितनी अच्छी है! ये खोपड़ी मुझे दे दो न नगीना आंटी! अच्छा चलो, माला दे दो!
अजीब बच्चा है! तुझे डर नहीं लग रहा? दूसरे बच्चे रो रहे हैं और तू कभी मेरी माला और कभी खोपड़ी मांग रहा है? क्या करेगा तू इसका?
वो नगीना आंटी! अभी नागराज अंकल आकर आपकी पिटाई करेंगे न, तो ये सब टूट जाएगा! इसे आप मुझे दे दो तो इससे... म... मैं दोस्तों को डराऊंगा!
नागराज! नागराज! कान पक गए मेरे ये नाम सुनते-सुनते! तुम सब बच्चों कान खोलकर सुन लो! नागराज तुम लोगों को बचाने नहीं आएगा!
वो आ ही नहीं सकता! अब तक उसको मेरे त्रिमुंड ने या तो जेल में बंद कर दिया होगा या खत्म कर दिया होगा!
अब मैं तंत्र साधना पर बैठने जा रही हूं!...
... अगर मेरी साधना भंग हुई तो मैं किसी को भी जिन्दा नहीं छोड़ूंगी!
रीमा, यह झूठ बोल रही है! नागराज को कोई मार नहीं सकता! पकड़ भी नहीं सकता! हमको यहां से बाहर निकलकर नागराज तक यह खबर पहुंचानी होगी कि बच्चे यहां पर बंद हैं!
पर हम बाहर कैसे जाएंगे! हम तो बंधे हुए हैं!
अभी आजाद हो जाएंगे! देखो मेरी जेब में क्या पड़ा हुआ था!
वाऊ! पेंसिल कटर!
और कुछ ही पलों बाद-
पकड़ो उनको! दो बच्चे छूटकर भाग रहे हैं! उनको पकड़ो, नहीं तो मेरी तंत्र क्रिया अधूरी रह जाएगी! क्योंकि ये क्रिया सौ बच्चों को यातनाएं देने से ही पूरी होनी है! जाओ!

नागराज भी बच्चों के काफी पास तक पहुंच गया था-
संकेत इसी पहाड़ी के अंदर से आ रहे हैं! अंदर जरूर कोई सुरंग या गुफा होगी! पर उसका रास्ता कहां से है?
यहां तो कोई रास्ता ही नजर नहीं आ रहा है।
नागराज तक बच्चों की खबर पहुंचाने की कोशिशें जारी थीं-
ये तो पागल कुत्ते की तरह हमारे पीछे पड़ गए हैं! ऐसे तो हम बस भागते रहेंगे। बाहर निकलने का रास्ता नहीं ढूंढ़ पाएंगे!
उफ! ये पेड़ की जड़ें हमारी स्पीड को और कम कर रही हैं!
पेड़ की जड़ें! इनसे काम बन सकता है यश! दौड़ते हुए इनको तोड़ते जाओ!
अब क्या करें?
रस्सी बनाओ इनकी!
और फिर-
गुड आइडिया, रीमा! अब हमको रास्ता ढूंढ़ने का थोड़ा समय मिल जाएगा!

उधर देखो रीमा! रोशनी की किरण!

यानी उधर बाहर जाने का रास्ता जरूर होगा!

रास्ता तो है लेकिन इस पर चट्टान रखी हुई है जो टस से मस नहीं हो रही है!

नगीना के तंत्र सेवक संभल चुके हैं! और अब वे हमको पकड़ने के लिए आ रहे हैं!

अब बच पाना असंभव है!

ये क्या? चट्टान कैसे टूट गई?

नागराज!
नागराज आ गया! यानी तुमने हमारी पुकार सुन ली थी!
हां, बच्चों! अगर तुम नहीं पुकारते तो शायद मैं इस गुप्त स्थान में घुसने का रास्ता न ढूंढ पाता!
तुमने नर्क जाने का रास्ता ढूंढ लिया है नागराज!
और वहां पर तुमको हम भेजेंगे!
तुम दोनों जरूर उसी तंत्रिका के सेवक हो जिसने नागराज के नगर से बच्चों को उठाने की जुर्रत की है!
अब या तो तुम मुझको लेकर उसके पास जाओगे या फिर सीधे यमराज के पास!
इसीलिए तुम लोग विश्राम करो! उस तांत्रिका को मैं खुद ढूंढ लूंगा!
हम तेरी लाश लेकर स्वामिनी के पास जाएंगे!
तुम लोगों से बहस करके समय व्यर्थ करना बेकार है!
उनके पास तुमको हम ले चलते हैं नागराज!
तुम लोग तो उसी स्कूल के बच्चे लगते हो जहां परसे फुस्कार और सरसरी बच्चों को उठालाए थे!
पर बाकी बच्चे कहां हैं?
वे तांत्रिका नगीना के पास हैं! ऐसे ही और तंत्र सेवक उन पर हंटर बरसा रहे हैं!
ओह! तो ये काम नगीना का है!
तुम जानते हो नगीना को?
हां, मैं उससे पहले भी टकरा चुका हूं! वह बहुत खतरनाक है! चलो, मुझे जल्दी रास्ता बताओ!

नगीना के सेवकों की क्रूरता सीमा पार कर चुकी थी-
बचाओ
आई
मम्मी
आहाहाहा! द्वार बन रहा है! इन पर और कोड़े बरसाओ! उधेड़ दो इनकी नाजुक चमड़ी!
अरे! ये क्या चक्कर है? द्वार पूरा बन नहीं पा रहा है! जब तक द्वार पूरा बनेगा नहीं तब तक शैतानराज इस पार आकर मुझको वरदान कैसे दे पाएगा?
समझी! सिर्फ 98 बच्चे चीख रहे हैं! दो बच्चे तो भाग चुके हैं! इसीलिए द्वार पूरा नहीं बन पा रहा है! फिलहाल तो 98 बच्चों को ही सौ बच्चों जितना चिल्लाना पड़ेगा! कीलें ठोंको इनके बदन में! ताकि इनकी चीखों से दुनिया कांप उठे!
तंत्र सेवक हथौड़े और कीलें लिए हुए बच्चों की तरफ बढ़े-
लेकिन कीलें खुद उनके शरीरों में ही घुस गईं-
आाााह
नागराज! तू... तू, यहां तक कैसे पहुंच गया?
बताता हूं! पहले तुम बताओ कि तुम्हारा वह इकलौता बेटा कैसा है जिसको दो सांप उठाकर ले गए थे!

Amaan
ओह! यानी... वह ड्राइवर तुम ही थे! अब मैं समझी! ये तुम्हारी चाल थी!
पर तुमने जानबूझकर बस के इन बच्चों को मेरे हवाले क्यों कर दिया?
ये सारा प्लान बच्चों को तुम्हारे हवाले करने के लिए ही रचा गया था, नगीना!
ताकि इन बच्चों का पीछा करके मैं तुम तक पहुंच सकूं!
पर... पर तुम इन बच्चों का पीछा कैसे कर सकते थे?
मैं तो इनको गायब करके यहां तक लाई थी!
जिनको तुम बच्चे समझ रही हो, वे बच्चे नहीं...
... बल्कि बच्चों का रूप धरे हुए मेरे इच्छाधारी सर्प हैं! इनके संकेतों ने ही मुझको यहां तक पहुंचाया है!
ओह! तो ये थी तुम्हारी चाल!
हां, नगीना! अब तुम्हारे तंत्र सेवक बेबस हैं! कोई भी तुम्हारी मदद नहीं कर सकता है!
अब मुकाबला सिर्फ मेरे और तुम्हारे बीच में है!
तूने नगीना की उस योजना पर पानी फेरा है, नागराज! जिस पर नगीना ने कई साल बर्बाद किए हैं!
और अब मैं इसका दंड तुमको तुम्हारी जिन्दगी बर्बाद करके दूंगी!

मेरी तंत्र शक्तियों के सामने तेरी नाग शक्तियाँ कभी टिक नहीं पाएंगी!
मेरे मुंड! चबा जा नागराज को! बना दे इसकी जहरीली चटनी!
अब तू इससे लड़ता रह नागराज! अब जब तक बच सकता है बच ले! बच्चों की चीखों ने तामसी शक्तियों वाली दुनिया के द्वार को पैदा तो कर ही दिया है! अब मैं अपनी साधना द्वारा इसमें से शैतानराज को बाहर बुलाकर मनचाहा वरदान प्राप्त करूंगी!
ओफ़! नगीना ने अपना आधा काम पूरा कर लिया है! वह अभी भी दुनिया को तबाह करने लायक शक्तियां प्राप्त कर सकती है!
इच्छाधारी नागों! तुम बच्चों को यहाँ से बाहर ले जाओ! जल्दी!
ठीक है नागराज!

ये मुंड तो मेरे सांपों को च्युंगम की तरह चबा रहा है!
कच
सांपों का इस्तेमाल दूसरी तरह से करना पड़ेगा!
इसकी हड्डियां तोड़ने के लिए!
इसके हाथ-पैर टूट चुके हैं...
...अब ये मुंड हिल भी नहीं सकता!
गड़ड़ गड़ड़
अरे! ये तो लुढ़ककर मेरी तरफ ही आ रहा है!
नागराज के कुछ संभलने से पहले ही नागराज मुंड के मुंह में समा चुका था-
आऽऽऽह!
नगीना की साधना भी समाप्ति की ओर बढ़ रही थी-
हा हा हा! द्वार बड़ा हो रहा है! जल्दी ही ये शैतानराज के निकलने लायक बड़ा हो जाएगा!

और मेरा रास्ता रोक सकने वाला एकमात्र शख्स नागराज मेरे मुंड के दांतों के बीच में पिसने ही वाला है!
छटपटा मत, नागराज! और न ही तंत्र मुंड से लड़ने की कोशिश कर! ये तेरी नाग शक्तियों से नष्ट होने वाला नहीं है!
ध्वंसक सर्प शायद इसको तोड़ सकें! परन्तु उनका प्रयोग करके इस बंद जगह में मुझको भी नुकसान पहुंच सकता है!
नगीना सही कह रही है। मेरे वार मुंड को तोड़ नहीं पा रहे हैं!
ओफ्! इस मुंड के मुंह में तो हर जगह दांत निकले हुए हैं! अगर जल्दी ही इसे नष्ट करने का रास्ता नहीं मिला तो मुझे दूसरी दुनिया का रास्ता पकड़ना होगा!
इस तंत्र प्राणी को कोई तांत्रिक चीज ही नष्ट कर सकती है! और यहां पर तो ऐसी कोई तांत्रिक चीज है ही नहीं! या है...
...एक चीज है!
पर उस तक पहुंचने के लिए मुझको मुंड को लुढ़काना होगा!
नागराज का शरीर मुंड को लुढ़काने लगा—
और लुढ़कता हुआ मुंड उछलकर—

सीधे नगीना के हवनकुंड में आ गिरा–
आऽऽऽह! मेरा हवन अधूरा रह गया! तंत्र साधना भी टूट गई! और हवनकुंड में मेरे द्वारा प्रज्जवलित की गई तांत्रिक अग्नि मेरे मुंड को भस्म कर रही है!
अच्छा है! अब नागराज भी इसी मुंड के साथ जलकर भस्म हो जाएगा।
नहीं नगीना। नागराज भस्म नहीं होगा। अग्नि ने मुंड को जलाकर इतना कमजोर कर दिया है कि अब मैं उसको तोड़कर आराम से बाहर निकल सकता हूं।
लेकिन अब मैं यह जरूर समझ गया हूं कि जब तक तू यहां पर रहेगी तब तक ये दुनिया सुरक्षित नहीं रहेगी।
क्योंकि तू कोई न कोई षडयंत्र रचती ही रहेगी। इसीलिए तू उसी दुनिया में जा, जहां पर तेरी जरूरत है। तामसी शक्तियों वाली दुनिया में। जहां पर शैतान राज तेरा इंतजार कर रहा है।
नगीना का शरीर द्वार के पार जाते ही दूसरी दुनिया का द्वार भी अपने आप बंद होने लगा–

आहा sss ! अब मैं चैन की सांस ले सकता हूं। नगीना जा चुकी है और बच्चे सुरक्षित हैं। अब सभी बच्चों को उनके- उनके घर पहुंचाने का इंतजाम करना होगा!
महानगर में एक बार फिर जीवन सामान्य हो गया था-
चारों तरफ जिन्दगी से भरी आवाजें गूंज रही थीं-
अंकल जरा बॉल दे दीजिएगा। जल्दी प्लीज!
क्योंकि बच्चे फिर अपने घरों से बाहर निकलकर अपनी सामान्य दिनचर्या में रम गए थे-
तुमने कमाल कर दिया राज! पर मुझे तुमसे एक शिकायत भी है!
तुमने मुझसे मदद के लिए एक बार पूछा तक नहीं!
सॉरी भारती! समय ही नहीं मिला! पर अगली बार तुमसे जरूर पूछूंगा! पक्का वादा!
तामसी शक्तियों की दुनिया में नगीना के लिए स्थिति घातक हो गई थी-
तूने बगैर मेरी साधना पूरी किए तामसी शक्तियों की दुनिया में आने की जुर्रत की है! और वह भी सशरीर! बता इसके लिए तुझको क्या दंड दिया जाए?
मैं अपनी इच्छा से यहां नहीं आई शैतानराज! मुझको भेजा गया है! जबरदस्ती!
और रही दंड की बात तो वह दंड मृत्यु दंड है!
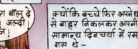
वैसे भी साधना पूरी न कर पाने की स्थिति में मैं अपना शीश काटकर आपके चरणों में चढ़ाने वाली थी। क्योंकि आपकी तामसी शक्तियां अगर न मिलीं तो मैं जीकर करूंगी भी क्या?
अब जो काम मैं उस दुनिया में न कर पाई, वह मैं इस दुनिया में करूंगी।
आपके चरणों में अपना शीश अर्पित करूंगी! स्वीकार कीजिए।
खच्च
ये क्या नगीना?
जी उठ नगीना! फिर से जी उठ! हम तेरी हठ-भक्ति से अत्यन्त प्रसन्न हुए! बता कि तू क्या चाहती है?
मैं अपने संसार की सम्राज्ञी बनना चाहती हूं, शैतानराज! पूरी दुनिया को अपना गुलाम बनाना चाहती हूं!
यह संभव नहीं है नगीना! ले, मैं तुझको एक नया संसार बनाने की शक्ति देता हूं! जिसकी सृष्टि तू अपने मनचाहे तरीके से करेगी। उसको अपने इशारे पर नचाएगी!
इस तामसी दुनिया में अपनी सृष्टि की रचना कर!

क्षमा करें शैतानराज! पर अपने ही गुलाम पैदा करके उन पर शासन करने में क्या आनंद है! आनंद तो उन पर शासन करने में आता है जिनमें अपनी मर्जी होती है!
मुझे तो उसी संसार का शासन चाहिए जिसमें मानव बसते हैं!
तूने सत्य कहा नगीना! आनंद तो उसी में है! पर उस संसार का शासन तू तब तक हासिल नहीं कर सकती जब तक उस दुनिया में नागराज मौजूद है!
तूने अभी खुद ही देखा कि तेरी सारी शक्तियों के बावजूद उसने तुझको हरा दिया! अगर मैं तुझको उस संसार पर शासन करने की शक्ति दे भी दूं तो भी वह व्यर्थ जाएगी। नागराज तेरे शासन को ज्यादा देर तक चलने नहीं देगा!
हां! अगर नागराज तेरे रास्ते में नहीं होता तो शायद तू सफल हो जाती!
तब तो पहले मैं नागराज को रास्ते से हटाऊंगी और फिर आपसे वह शक्ति लूंगी जो मुझे पृथ्वी की सम्राज्ञी बना देगा!
ऐसा तू कैसे करेगी नगीना?
नागराज को इस तामसी संसार में बुलाकर! जहां की हर चीज मेरे इशारों पर नाचती हैं! नागराज यहां आएगा और यहीं मरेगा!
और उसको यहां पर बुलाने का इंतजाम मैं करूंगी!
ठीक है नगीना! तू मुझे नागराज की लाश दिखा, और मुझसे पृथ्वी पर राज करने लायक शक्तियां ले ले!
अब मैं चलता हूं! तेरे जैसे और भी कई भक्तों को दर्शन देने हैं!
जरा जल्दी वापस आइएगा शैतानराज!
क्योंकि नागराज के मरने में अब ज्यादा वक्त नहीं है!

रक्षक नागराज
आहा! अब मैं पहले इस तामसी संसार में ऐसी घातक सृष्टि का निर्माण करूंगी जहां पर आकर नागराज को चारों तरफ मौत ही मौत मिलेगी!
शैतानराज द्वारा दी गई शक्तियां मुझको ऐसी सृष्टि बनाने का रास्ता दिखाएंगी।... हां, मुझको वह रास्ता दिख रहा है! सृष्टि बनाने का कार्य यहां से आरंभ करना होगा।
क्योंकि यही इस तामसी संसार का केन्द्र है। जो कुछ भी पैदा होगा, यहीं से होगा।
इसी वक्त-सामान्य संसार में-
तुम्हारा क्या ख्याल है, राज? क्या नगीना अब हमेशा के लिए गायब हो चुकी है?
नगीना जैसे दुष्ट आसानी से खत्म नहीं होते भारती! वैसे भी, उसकी साधना लगभग पूरी हो चुकी थी।
उसको इतनी शक्तियां मिल चुकी थीं कि वह तामसी संसार में भी जिन्दा रहकर फिर से वार करने के मौके का इंतजार कर सके।
लेकिन इस बार का वह वार होगा कैसा यह मैं नहीं जानता।
खैर छोड़ो! ये फिल्म देखो! हेलरेजर 4! बड़ी डरावनी फिल्म है।
मैं इसको दूसरी बार देख रही हूं। पर ये वाले सीन पिछली बार नहीं दिखाए गए थे।
ये वाला प्राणी तो... आऊ SSSSS ये... ये तो टी.वी. स्क्रीन से बाहर आ रहा है! इंपासिबिल!

बचो भारती!
मुझे नहीं, बचना तुमको है राज! क्योंकि इस प्राणी का निशाना मैं नहीं, तुम हो!
कहीं ये नगीना का ही काम तो नहीं है?
हो सकता है भारती! पर नगीना को तो नागराज पर हमला करना चाहिए था, राज पर नहीं!
पता नहीं ये प्राणी राज पर हमला कर रहा है या... ये जानता है कि मैं नागराज हूं!
इस बात का पता चलने तक मुझको इससे राज के रूप में ही निपटना होगा!
ये प्राणी टी. वी. से निकला है! शायद टी. वी. का करंट बंद कर देने से ये प्राणी भी गायब हो जाए!
ओफ्! ये तो प्लग निकल जाने के बाद भी गायब नहीं हुआ!
अब मैं क्या करूं? टी. वी. पर पानी फेंक देता हूं! शॉर्ट सर्किट हो जाएगा!
न रहेगा टी. वी. और न रहेगा ये प्राणी! ओफ्! सर्किट तो जल गए...
...लेकिन स्क्रीन का बाल भी बांका नहीं हुआ। तांत्रिक शक्तियां इसको टूटने नहीं दे रही हैं!
और ये भी टलने का नाम नहीं ले रहा है! टी. वी. के सर्किट जल गए लेकिन ये नहीं टला!
अब तो मुझे नागशक्तियों का प्रयोग करना ही पड़ेगा!
नहीं! नहीं! एक रास्ता है!
टी. वी. पर जो कुछ भी आता है वह रेडियो तरंगों के रूप में भेजा जाता है!
और टी. वी. को यह सिग्नल मिलते हैं...

Amaan
...केबल से! नगीना तंत्र से टी.वी. को पॉवर तो दे सकती है, लेकिन बगैर केबल के उसमें सिग्नल नहीं दौड़ा सकती!
और बगैर सिग्नल के इस प्राणी की इमेज भी टी.वी. स्क्रीन पर नहीं रह सकती! अभी केबल को निकाल देता हूं!
ओफ़! शॉर्ट सर्किट होने की वजह से केबल का तार टी.वी. में ही गलकर फंस गया है!
केबल का कनेक्शन जैसे-जैसे हिलता जा रहा था-
वैसे-वैसे वह प्राणी भी धुंधला पड़ता जा रहा था-
आऽऽऽह! मैं काम पूरा करने से पहले नष्ट नहीं हो सकता! मुझे राज को लेकर जाना ही जाना है!
लेकिन अगर मैं राज तक नहीं पहुंच पा रहा हूं...
...तो मैं इस लड़की से ही अपना काम चला लूंगा!
ओऽऽऽ! ओह! इसने तो भारती को टी.वी. के अंदर खींच लिया! मुझे... मुझे भारती को बचाना होगा!
पर तभी-
वहीं पर रुक जा! इस लड़की को तू नहीं सिर्फ नागराज बचा सकता है! मेरा मकसद तो था तुझको पकड़ना, क्योंकि मैंने सुना है कि तू नागराज के काफी करीब है! पर अब इस लड़की से ही काम चलाना पड़ेगा... नागराज से कहना कि इस लड़की को बचाना है तो महानगर के उत्तर में स्थित काली टेकड़ी पर आ जाए!

काली टेकड़ी! वह जगह सुनसान तो जरूर है, लेकिन खतरनाक नहीं है! भला वहां पर ऐसा कौन सा खतरा हो सकता है जो नागराज को नुकसान पहुंचा सके!
खैर! ये तो वहां पर पहुंचकर ही पता चलेगा। कि नगीना आखिर चाहती क्या है?

कुछ ही देर बाद नागराज काली टेकड़ी पर था-
यहां पर तो सबकुछ शांत है! न तो भारती का कोई नामोनिशान है और न ही नगीना का! फिर मुझको यहां पर क्यों...
नागराज!
ये आवाज तो भारती की है! उस गड्ढे में से आ रही है!

नागराज!
हे भगवान! ये गड्ढा तो काफी गहरा लगता है! और भारती का शरीर सिर्फ पानी के झरने के ऊपर टिका हुआ है! अगर ये नीचे गिरी तो बचेगी नहीं!
घबराना मत भारती! मैं सर्परस्सी को लटकाता हूं! तुम उसको पकड़कर ऊपर आ जाना!

Amaan
amaancomics
लेकिन सर्प रस्सी भारती तक पहुंच पाने से पहले ही–
ओफ़! झरना रुका-रुक बंद हो गया है, और भारती का शरीर इस गहरे गड्ढे में गिर रहा है! मुझे इसको बचाना होगा!
नागराज सर्प रस्सी को ऊपर अटकाकर गड्ढे में कूद गया!
लेकिन–
अरे! ये गड्ढा तो कई किलोमीटर गहरा लगता है! मैं सर्प रस्सी को निकालता जा रहा हूं लेकिन फिर भी न तो मैं भारती तक पहुंच पा रहा हूं और न ही इस गड्ढे का अंत देख पा रहा हूं!
अब तो मुझको कमजोरी भी लग रही है। क्योंकि मेरे शरीर से जितने सांप निकलते जाते हैं मेरी नाग शक्ति उतनी ही कम होती जाती है!
ओह! आखिरकार मुझे रोशनी नजर आ रही है! ये गड्ढा खुल रहा है! मुझे भारती को पकड़ना होगा!
नागराज ने दूसरे हाथ से भी सर्प रस्सी को छोड़ा–

लेकिन भारती के गिरने की गति, सर्प रस्सी से ज्यादा तेज थी-
नहीं!
ओह! ये क्या हो गया, भारती? मैं अह... सारी कोशिशों के बावजूद भी तुमको बचा क्यों नहीं पाया!
ओफ्! ये दृश्य मैं नहीं देख सकता!
तू उस भारती के मरने पर इतना शोक कर रहा है नागराज...
...जो नकली थी! मेरी सृष्टि की एक रचना!
जरा सोच कि जब असली भारती मरेगी तो तुझ पर क्या बीतेगी!
ये वही तामसी दुनिया है नागराज! जहां पर तूने मुझे फेंका था! अब बस फर्क इतना सा है कि अब इस दुनिया की सृष्टि मेरे हाथों में है! और मैं अभी भी वही चाहती हूं जो पहले चाहती थी! मानवों पर शासन करना! तेरी दुनिया पर राज करना!
नगीना! तो ये तेरी चाल है! अब क्या चाहती है तू? और... और ये जगह कौन सी है?

नागराज के रहते ऐसा होना संभव नहीं है नगीना! जब तक नागराज रहेगा, तब तक मानवता पर कोई निरंकुश तानाशाह हुकम नहीं चला सकेगा!
इसीलिए तो तुझे मैंने यहां पर बुलाया है नागराज! ताकि तू मेरे और मानवों के बीच में न रहे!
लेकिन उससे पहले मैं तुझको तेरी दोस्त भारती को बचाने का मौका जरूर दूंगी!
आ मरने से पहले उसको बचा सकता है तो बचा ले!
ओफ़! भारती के चारों तरफ एकाएक कंटेदार लताएं उगने लगी हैं!
और उसके कांटे भारती के शरीर में धंस रहे हैं!
ये जहरीली लता है नागराज! हर कांटे के साथ भारती के शरीर में घातक विष पहुंच रहा है! ऐसे पांच मिनट के अंदर भारती मर जाएगी!
नहीं! मैं इस लता को उखाड़ फेंकूंगा! भारती नहीं मरेगी!
तो जा भारती के पास! पर जरा ध्यान से!
पहले देखले कि तेरे रास्ते में कैसी मौत खड़ी है!

आऽऽऽह्! ये क्या? एकाएक चारों तरफ का दृश्य बदल गया है! सड़क प्रकट हो गई है, और उस पर तेज गति से चलने वाले पथरीले वाहन दौड़ने लगे हैं!
इनको पार करके भारती तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल है! क्योंकि आसपास नागरस्सी को अटका सकने लायक जगह भी मौजूद नहीं है!

हा हा हा! तुझ पर गोलियां, तीर, भाले जरूर असर नहीं करते नागराज, लेकिन इतने भारी वाहनों के नीचे दबकर तुम्हारी चटनी जरूर बन जाएगी!
ओह! ये चट्टानी बुलडोजर तो सचमुच मेरा टॉमेटो सॉस बना देगा!
नागराज तेजी से एक तरफ लपका, लेकिन उधर से भी मौत आ रही थी-
आऽऽऽह! ये टक्करें तो जल्दी ही मुझको बेहोश कर देंगी! फिर कोई और तो क्या मैं खुद भी अपने आपको नहीं बचा पाऊंगा!
इन वाहनों को रोकना होगा! और सड़क पर वाहनों की गति को एक ही चीज रोक सकती है!
और वह है ट्रैफिक जाम!
नागराज की उस शक्तिशाली किक ने हजारों टन भारी उस वाहन को पलट दिया-

और दोनों तरफ से आते हुए वाहन एक-दूसरे से टकरा-टकराकर फिर से पत्थरों के ढेर में बदलते चले गए-
ओह! ये तो बड़ी आसानी से इस बाधा को पार कर गया! मैंने तो सोचा था कि इसका कचूमर बन जाएगा! खैर अब मुझको थोड़ा सा ज्यादा दिमाग लगाना होगा! इसको बचना नहीं चाहिए!
मेरे पास दुनिया पर राज्य हासिल करने का बस यही एक मौका है!
और फिर-
ये... ये क्या? मैं अपने हाथ-पैरों को बड़ी मुश्किल से हिला पा रहा हूं!
ऐसा लग रहा है जैसे कि मैं किसी गाढ़े घोल के अंदर चल रहा हूं!
इस बार मैं अपनी तामसी शक्तियों के साथ-साथ इस तामसी दुनिया के खूंखार प्राणियों का इस्तेमाल भी करूंगी!
तुमको एकदम ठीक लग रहा है नागराज! मैंने तुम्हारे चारों तरफ की हवा को गाढ़ा कर दिया है!
ये भारी हवा तेरे शरीर पर दबाव भी डालेगी! तुझे सांस लेना भी भारी पड़ेगा! तेरी फुर्ती खत्म हो जाएगी!

और तब ये तामसी प्राणी आसानी से तेरी एक-एक बोटी को अलग कर पाएंगे।
इस काम को इतना आसान मत समझ नगीना! इनके जबड़े इतने मजबूत नहीं हैं कि वे नागराज को चबा पाएं।
वैसे भी इस वातावरण में मेरे साथ-साथ इनकी फुर्ती भी खत्म हो जाएगी।
हां! ये ख्याल तो मेरे दिमाग में आया ही नहीं। अरे शैतानराज, तामसी शक्तियों के साथ-साथ थोड़ी योजना बनाने लायक बुद्धि भी दे देता!
खैर! तू मरेगा तो जरूर नागराज, और यहीं पर मरेगा! क्योंकि मैं ऐसे असंख्य तामसी प्राणी पैदा कर सकती हूं! तू कभी न कभी तो थकेगा और कोई न कोई तो तेरी बोटियां चबा ही लेगा!
नागराज, भारती तक पहुंच नहीं पा रहा था-
और मौत तेजी से भारती की तरफ बढ़ रही थी-
आऽऽऽह! ये कांटे! मेरा सारा शरीर सुन्न होता जा रहा है! दिल की धड़कन भी रुकती जा रही है!
यानी जहर अब मेरे बदन में फैलने लगा है!
ओफ्! ये तो चारों तरफ से मुझ पर हमला कर रहे हैं!
नगीना इनको बनाती जा रही है और ये आते जा रहे हैं!
इनको रोकना होगा! नगीना को इन प्राणियों की सृष्टि करने से रोकना होगा!
सौडांगी! बाहर आओ!

मैं तुम्हारे आदेश का इंतजार ही कर रही थी, नागराज।
अपनी तांत्रिक शक्तियों का प्रयोग करके नगीना की शक्तियों के कारण का पता करो सौडांगी! ताकि मैं उसको इन नारकीय प्राणियों को पैदा करने से रोक सकूं!
बताओ कि मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकती हूं!
मैं कोशिश करती हूं नागराज! मुझको अपनी तांत्रिक शक्तियां केन्द्रित करनी होंगी!
मुझको संकेत मिल रहे हैं नागराज! मुझको नगीना की शक्तियों के केन्द्र का पता चल रहा है!
वहां पर है नगीना की तामसी शक्तियों का केन्द्र नागराज! वह पंख लगा पत्थर! उसे तोड़ दो तो नगीना की तामसी शक्तियां खत्म हो जाएंगी!
फिर से तामसी संसार तो रहेगा लेकिन नगीना का उस पर कोई वश नहीं रहेगा!
समझा! अब समझा मैं नगीना की चाल को! उसने जानबूझकर भारती को उस पत्थर से बांधा है!
ताकि मैं रहस्य जानने के बाद भी उस पत्थर पर वार न कर सकूं!
क्योंकि पत्थर नष्ट करने की कोशिश में भारती भी खत्म हो सकती है!

को आजाद कराना होगा! वह सिर्फ रस्सियों द्वारा पत्थर से बंधी है। मेरे नागफनी सर्प रस्सियों को काट देंगे!
लेकिन भारती आजाद नहीं होगी! जहरीली बेलें इसको फिर भी पत्थर से बांधे रखेंगी!
और जहर तिल-तिल करके इसकी जान निकाल लेगा! तू भारती तक कभी नहीं पहुंच पाएगा नागराज!
अब तो भारी हवा के कारण सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है!
थकान बढ़ रही है और मुझ पर दो तरफ से वार हो रहे हैं!
तुम अपने सर्पों से जमीन में सुरंग क्यों नहीं खुदवाते नागराज?
उसमें घुसकर तुम भारी वातावरण से भी बच सकते हो और इन शैतानों से भी बच सकते हो!
ओह! अब नगीना ने बड़ी-बड़ी इमारतों की सृष्टि कर दी है!
उस पर चढ़कर इसके शैतान प्राणी मुझ पर दूर से वार कर रहे हैं!
ऐसी गलती करने की तो मैं सोच भी नहीं सकता सौडांगी! हवा की तरह यहां की जमीन भी नगीना के वश में है!

Amaan
अगर मैंने जमीन में घुसने की कोशिश की तो शायद कभी बाहर न निकल पाऊं!
ओफ्!
क्या हुआ नागराज?
अब तो हवा का दबाव इतना बढ़ गया है कि मेरे सर्प भी मेरी कलाई से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं!
हा हा हा! निकल पाते तो भी अब मैं उनको भारती तक पहुँचने नहीं देती!
अब इधर भारती मरेगी और उधर तू!
यहीं पर तेरी कब्र बनेगी नागराज
अब हम भारती को कैसे आजाद करायेंगे? और कैसे नष्ट करेंगे उस पत्थर को!
अब तो तुम्हारी नागशक्तियां भी काम नहीं कर रही हैं नागराज!
दो शिकार! कैसे, नागराज?
जमीन के अंदर हवा का दबाव नहीं है! सर्प मेरे शरीर से बाहर आकर सुरंग खोद-कर भारती तक पहुंच रहे हैं!
अब नगीना देख भी नहीं पाएगी और सर्प भारती के पैरों के नीचे सुरंग खोद देंगे!
मेरे नाग, हवा के दबाव के कारण बाहर नहीं आ पा रहे हैं!
इसीलिए हवा के दबाव को खत्म करना होगा। एक तीर से दो शिकार करने होंगे!
लताएं भारती के वजन को संभाल नहीं पाएंगी और भारती पत्थर से अलग होकर नीचे सुरंग में जा गिरेगी!

ये... ये क्या?
ये कैसे हो गया?
नगीना के कुछ समझ पाने से पहले ही-
जमीन को छेदते हुए ध्वंसक सर्प बाहर निकलकर उस 'सृष्टि-चट्टान' की तरफ बढ़ चले-
और नगीना की फटी आंखों की तरह वह चट्टान भी धमाके के साथ फट पड़ी-
'सृष्टि-पत्थर' के टुकड़े हवा में उड़ने लगे-
और साथ ही साथ वह तामसी दुनिया भी लुप्त होने लगी-
नहीं!
धड़ामममम म

और कुछ ही पलों के बाद सभी ने अपने आपको काली टेकड़ी पर पाया-
आऽऽऽह! ये... ये क्या? मेरी... मेरी सारी साधना नष्ट हो गई!
कितना इंतजार किया था मैंने मिहिर-सेन की साधना पूरी होने के लिए!
कितनी मुश्किल से मैंने फुस्कार और सरसरी से स्कूल के बच्चे उठवाए थे! फिर एक-एक करके और बच्चे जमा करने में मैंने कितना वक्त बर्बाद किया था!
बच्चों को तकलीफ दे देकर मैंने तामसी दुनिया का द्वार तो खुलवा लिया था, पर तेरे ऐन समय पर टपक जाने से मुझे शैतानराज से वरदान नहीं मिल सका!
और आज जब मेरे पास इस दुनिया पर राज हासिल करने का सुनहरा मौका था तो तूने उस मौके को भी खत्म कर दिया! अब चाहे मुझको अपनी पूरी तंत्र शक्ति का इस्तेमाल एक साथ करना पड़े...

लेकिन अब मैं उस दुनिया को नष्ट कर दूंगी जिस पर मैं शासन नहीं कर पाई!
अगर ये दुनिया मुझको नहीं मिली तो किसी को भी नहीं मिलेगी!
जल्दी ही-
ये अब ठीक हैं नागराज!
जल्दी ही इनकी हालत में और सुधार आ जाएगा।
पर तब तक 600 करोड़ इंसानों की हालत बिगड़ चुकी होगी नागराज! बाहर देखो!
ये रोशनी तो महानगर के उत्तर से चमक रही है!
पर उस तरफ इमारतें तो नजर आ ही नहीं रही हैं! उधर है क्या?
ये अब कहां जा रही है, नागराज?
परमाणु बिजली घर!
खतरा हमारी उम्मीद से ज्यादा बड़ा है, सौडांगी!
पता नहीं सौडांगी। लेकिन जल्दी ही हम पता लगा लेंगे!
परन्तु हमें पहले भारती के शरीर से जहर को निकालना और इसको अस्पताल पहुंचाना होगा! वर्ना ये बचेगी नहीं!
क्योंकि इसमें शक की गुंजाइश ही नहीं है कि ये काम...

...नगीना का ही है!
हां, नागराज! ये काम नगीना का ही है! मैंने अपने पास जरा सी तंत्र शक्ति रखकर बाकी सारी तंत्र शक्ति की मदद से दुनिया भर के परमाणु बिजली घरों को आपस में जोड़ दिया है! ...
...अब इनके अंदर हो रही परमाणु प्रतिक्रिया अनियंत्रित हो रही है! कुछ ही मिनटों के अंदर सारे स्टेशन फट पड़ेंगे और पूरी दुनिया रेडिएशन से तबाह हो जाएगी!
ओफ़! इसको रोकना होगा। पर कैसे, सौडांगी? मैं इसको कैसे रोक सकता हूं?
मैं भी इसकी प्रचंड तंत्र शक्ति को रोक नहीं सकती! पर एक रास्ता है नागराज!
अगर तुम किसी तरह से नगीना को बेहोश कर सको तो तंत्र शक्ति फिर से इसके शरीर में समा जाएगी!
क्योंकि तंत्र शक्ति को इसका दिमाग ही नियंत्रित कर रहा है!
ऐसा है तो नगीना बेहोश होकर ही रहेगी, सौडांगी!
फस्स्स्स
अति तीव्र विष फुंकार नगीना की तरफ बढ़ चली-

तेरी तीव्र फुंकार मुझको विचलित तो जरूर कर सकती है नागराज, पर बेहोश नहीं कर सकती! मत भूल कि नगीना भी एक नागिन है! जहरीली नागिन!
तू सिर्फ एक नागिन है नगीना! लेकिन नागराज के पास अनगिनत सर्पों की सेना है...
...तू इनसे बच नहीं पाएगी!
नगीना ने इसी समय के लिए थोड़ी तंत्र शक्ति बचाकर रखी थी नागराज!
तेरे अनगिनत सांपों की सेना से निपटने के लिए नगीना भी कई नगीनाओं में गुणित हो सकती है!
ओह! एक-एक नगीना एक-एक सर्प से निपट रही है! अद्भुत!
यही मौका है नागराज! नगीना तुम्हारे सर्पों से निपटने में व्यस्त है! इस पर वार करो और इसे बेहोश कर दो!
पर मैं इनमें से किस नगीना पर वार करूं? ये कैसे पता चलेगा कि असली नगीना कौन सी है?
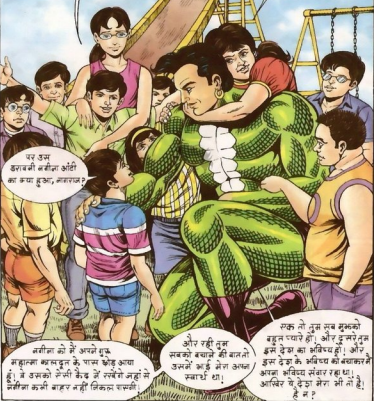
तू हर नगीना पर वार करके यह देखना चाहता है न कि असली नगीना कौन सी है! पर मैं तुझे यह पता करने का मौका नहीं दूंगी नागराज!
क्योंकि अब हर नगीना तुझ पर वार करेगी! एक साथ!
नागराज बेबस था-
और दुनिया विनाश के कगार पर पहुंचती जा रही थी-
क्योंकि दुनिया का हर एटोमिक पॉवर स्टेशन एटम बम बन चुका था-
अब हम कुछ नहीं कर सकते सर! यह प्लांट फट कर रहेगा!
ऐसी ही खबरें दुनिया के हर कोने से आ रही हैं!
कई एटम बम एक साथ फटेंगे! रेडिएशन सभी इंसानों को खत्म कर देगा!
खत्म होने वाले इंसानों में शायद सबसे पहला नाम नागराज का था-
आ ऽऽऽ ह! ये शिकंजा मेरी जान लेकर ही रहेगा!
तुम ही कुछ करो नागराज! कोई रास्ता निकालो! नगीना की इन परछाइयों में से असली नगीना को ढूंढने का कोई तरीका सोचो!
मेरी तंत्र शक्तियां नगीना पर बेअसर हैं! और मुझे कोई आइडिया सूझ भी नहीं रहा है!
परछाइयां! हां, सौडांगी, मैं पता लगा सकता हूं असली नगीना का।
नागराज की कलाइयों से सांपों की बाढ़ निकलकर जमीन पर कालीन बनाने लगी-

और कुछ नहीं सूझा तो अपने सांपों से कटवाकर यह देखना चाहता है कि किस नगीना पर ज़हर का असर होता है। पर असली नगीना को चाहे सैकड़ों सांप डस लें वह उफ तक नहीं करेगी।
इनमें से कोई सांप काटेगा नहीं, लेकिन फिर भी असली नगीना का पता मुझे मिल जाएगा!
परछाइयों में वजन नहीं होता नगीना! वजन सिर्फ असली नगीना के शरीर में है। और सिर्फ वजन वाली चीज ही सर्पकालीन को दबा सकती है। इन सारी नगीनाओं में से सिर्फ तू ही सर्पकालीन को दबा रही है। इसीलिए तू ही है असली नगीना!
नागराज के उस भीषण वार ने-
नगीना के होश छीन लिए-
और नगीना के बेहोश होते ही सारी नकली नगीनाओं के साथ-साथ तंत्र शक्ति भी नगीना के शरीर में समाने लगी-
और पूरी दुनिया के न्यूक्लियर रिएक्टर भी शांत होते चले गए-

और फिर-
आपने हमको बचा लिया, नागराज अंकल! थैंक्यू!
सिर्फ हमको ही नहीं, हमारे रक्षक नागराज ने पूरी दुनिया को विनाश से बचाया है!
पर उस डरावनी नगीना आंटी का क्या हुआ, नागराज?
नगीना को मैं अपने गुरू महात्मा कालदूत के पास छोड़ आया हूं! वे उसको ऐसी कैद में रखेंगे जहां से नगीना कभी बाहर नहीं निकल पाएगी!
और रही तुम सबको बचाने की बात तो उसमें भाई मेरा अपना स्वार्थ था!
एक तो तुम सब मुझको बहुत प्यारे हो। और दूसरे तुम इस देश का भविष्य हो! और इस देश के भविष्य को बचाकर मैं अपना भविष्य संवार रहा था। आखिर ये देश मेरा भी तो है! है न?
समाप्त